संवाद

अंक 03 : जुलाई से सितम्बर 2023
त्रैमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान ने बड़े उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। एस.पी.ए. भोपाल के निदेशक प्रो. कैलासा राव एम. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों की सभा को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में उन्होंने एस.पी.ए. भोपाल परिवार के सभी सदस्यों से इस संस्थान को और ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों को बनाए रखने का आह्वान किया।

हिंदी पखवाड़ाः 2023

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान परिसर में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 04 से 22 सितम्बर 2023 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ 4 सितम्बर को किया गया उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि एवं व्याख्याता के रूप में डॉ. हरिओम गोस्वामी, निदेशक राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल को आमंत्रित किया गया था। संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन व व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु कर्मचारियों की पृथक–पृथक प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई जैसे 'प्रशस्ति पत्र डिजाइन, पोस्टर डिजाइन, निबंध लेखन, स्वरचित कविता पाठ, गजल एवं भजन, हिंदाक्षरी सुलेख लेखन, चित्रांकन एवं सुलेख जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में संस्थान लगभग 150 संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जिनमें से 41 प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। हिंदी पखवाड़े के समापन निदेशक महोदय प्रो. डॉ. कैलासा राव एम. एवं संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रो. अजय खरे द्वारा किया गया। उक्त आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को निदेशक महोदय एवं संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर पुस्तक प्रदर्शनी

12 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस और पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 131 वीं जयंती के अवसर पर, एसपीए भोपाल पुस्तकालय में तीन दिवसीयं (12 अगस्त से 14 अगस्त) एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अगस्त 2023)। प्रदर्शनी का उद्देश्य पुस्तकालय दिवस के बारे में जागरूकता फेलाना एवं पुस्तक संग्रह प्रदर्शित करना था। संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रोक्वेस्ट डेजेटट्रेशन और थीसिस ग्लोबल पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

24 अगस्त, 2023 को संस्थान के पुस्तकालय विभाग द्वारा सभा कक्ष में प्रातः 11:30 बजे से प्रोक्वेस्ट डेजेटट्रेशन और थीसिस ग्लोबल (पीक्यूडीटी) पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उक्त प्रशिक्षण में श्री संजय राजन, सीनियर कस्टमर प्रशिक्षक– एपीएसी, क्लैरिवेट ने डेटाबेस में शामिल नई सुविधाओं जैसे वेब ऑफ साइंस इंटीग्रेशन, एवं अन्य तकनीकी पर एक लाइव डेमो दिया। पीक्यूडीटी डेटाबेस द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को समझने के लिए संकाय सदस्यों और शोध छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कुल मिलाकर, यह कार्यक्रम सभी उपयोगकर्ताओं, विशेषकर छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी रहा। जिसमें उन्होंने इसे बेहतर उपयोग की ओर प्रेरित किया।

स्वच्छता पखवाड़ा

एसपीए भोपाल ने माह सितंबर 2023 में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान संस्थान में स्वच्छता गतिविधियां की गई।

विरासत के 75 रंगों (शेड्स) पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एस.पी.ए. भोपाल में

एस.पी.ए. भोपाल में विरासत के 75 रंगों (शेड्स) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर नलिनी ठाकुर, पूर्व प्रोफेसर (संरक्षण), एसपीए दिल्ली एवं विवेक पई, प्रख्यात वास्तुविद विशेष अतिथि थे। उद्घाटन व्याख्यान में दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने भारतीय विरासत के संरक्षण के महत्व और इसके पीछे के विज्ञान पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में भारत के 19 राज्यों से 100 प्रतिनिधि भाग लिया यह राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्य प्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, विजना भारती, आई.सी.ओ.एम.ओ.एस. इंडिया, एमपी काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और मीडिया पार्टनर दैनिक भास्कर के सहयोग से आयोजित किया गया।

मीडिया कवरेज

अतिथियों ने बताया भारतीय विरासत का महत्व और विज्ञान

विरासत के 75 रंगों 'शेड्स' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शुक्रवार को विरासत के 75 रंगों (शेड्स) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया, इस अवसर की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नलिनी ठाकुर, पूर्व प्रोफेसर (संरक्षण), एसपीए दिल्ली और विशिष्ट अतिथि वास्तुविद विवेक पई थे। उद्घाटन व्याख्यान में दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने भारतीय विरासत के संरक्षण के महत्व और इसके पीछे के विज्ञान पर प्रकाश डाला।

तीन सत्रों में कार्यक्रम होंगे

1) सांस्कृतिक और विशेष परिदृश्यः यह विषय हमें हमारे वातावरण में निहित आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करने के लिए प्रेरित करता है। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर नलिनी ठाकुर करेंगी।
2) विशेष वास्तुकलाः यह विषय हमें विशेष शिल्प कौशल और वास्तुशिल्प सिद्धांतों का पता लगाने की उत्सुकता जगाता है। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. अजय खरे करेंगे।
3) ऐतिहासिक सार्वजनिक वास्तुकलाः इस सत्र की अध्यक्षता वास्तुविद पंकज मोदी द्वारा की जाएगी।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में राष्ट्रीय सम्मेलन और एग्जिबिशन

मंदिरों को बच्चों तक ले जाने शुरू की पहल

भोपाल. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन और एग्जिबिशन का शुभारंभ शुक्रवार को किया। विरासत के 75 रंगों विषय पर आधारित 1 अक्टूबर तक चलने वाले सम्मेलन में आकर्षण का केंद्र भारतीय मंदिर वास्तुकला पर लगाई खास एग्जिबिशन है। इसमें होलोग्राफिक मंदिर प्रदर्शन, अपना मंदिर खुद बनाएं, गवाक्ष बनाना, आशापुरी मंदिर समूह और भोजपुर के शिव मंदिर एवं भारत में मंदिरों का विकास को दिखाया गया है। यहां गुप्त काल से होयसल काल तक भारत में मंदिर वास्तुकला की विकास यात्रा को दिखाया गया है। कॉलेज डिपार्टमेंट के 20 बच्चों सहित कुल 100 स्टूडेंट्स ने इस आयोजन में अपना योगदान दिया है। इसमें भारत के सभी हिस्सों में बनाए मंदिरों के आर्किटेक्ट की कहानी मॉडल प्रस्तुत की। एग्जीबिशन में यह भी बताया गया कि कैसे मंदिरों का निर्माण होता था, वो कैसे बनाए जाते थे। यहां बद्रीनाथ मंदिर को होलोग्राम के जरिए दिखाया गया है।

एसपीए

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में 5 दिनों के लिए स्टूडेंट्स ने गणपति जी विराजित किए हैं। मंगलवार को स्टूडेंट्स ने मिलकर पूरा डेकोरेशन किया और मूर्ति भी कैंपस में बनाई। पहले दिन ओपन माइक ईवेंट रखा गया।

एसपीएः नेशनल कॉन्फ्रेंस आज से, 19 राज्यों के 100 डेलीगेट्स होंगे शामिल

सिटी रिपोर्टर। 1000 साल के भारत के मंदिर निर्माण शैली के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए स्कूल ऑफ प्लनिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) की ओर से नेशनल लेवल कॉन्फ्रेंस का आयोजन होने जा रहा है। 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में मुख्य आकर्षण इसके तहत आयोजित एग्जीबिशन होगी, जिसमें टैम्पल आर्किटेक्चर पर तैयार 3-डी मॉडल्स डिस्प्ले होंगे। यह एग्जीबिशन 7 अक्टूबर तक जारी रहेगी, जिसमें होटोग्राफिक टैम्पल डिस्प्ले, मेक योर ओन टैम्पल, क्रिएटिंग गवाक्ष, आशापुरी ग्रुप ऑफ टैम्पल्स आदि विषय पर एग्जीबिट्स और डिस्प्ले होंगे। कॉन्फ्रेंस में 19 राज्यों के 100 से ज्यादा डेलीगेट्स शामिल होंगे।

dainikbhaskar.com — सच्ची बात बेधड़क — वें वर्ष में प्रवेश

सावन में दैनिक भास्कर का विशेष प्रयास... | **पहली बार भोजपुर के पूर्ण मंदिर के दर्शन...**

हमारी आस्था का केंद्र

भोजपुर मंदिर पूरा बनता तो ऐसा दिखता, संसार में सबसे ऊंचा होता

मंदिर परिसर में चट्टानों पर मिली ड्राइंग और राजा भोज की किताब 'समरांगण सूत्रधार' से डीकोड किया तो यह तस्वीर सामने आई।

एक्सपर्ट रिपोर्ट

एक ही पत्थर से बना दुनिया का यह सबसे बड़ा शिवलिंग है...

ये विशेषताएं भी...

विशेषज्ञों का सुझाव

विशाल महानगर की परिकल्पना

तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर 65.88 मी. और अंकोरवाट 64 मी. ऊंचा

आज की प्रेरणा: कामयाब होने के लिए निरंतर सीखते रहें। सीखने से ही आप अपनी क्षमताओं को पहचान सकते हैं।

युवा-शिक्षा-अवसर

दैनिक भास्कर

मैनिट में ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस • 4 नेशनल इंस्टीट्यूट और 2 स्टेट यूनिवर्सिटी ने रखा एनईपी पर अपना पक्ष

आरजीपीवी के वीसी बोले- इग्नू से एमओयू किया, क्रेडिट ट्रांसफर होंगे | हकीकत- कोई एमओयू नहीं हुआ, क्रेडिट ट्रांसफर की पॉलिसी भी नहीं

एनईपी-2020... हो रहे 3 साल पूरे

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तीन साल पूरे होने जा रहे हैं। इसे लेकर सोमवार को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें शहर के 4 नेशनल इंस्टीट्यूट और 2 स्टेट यूनिवर्सिटी ने एनईपी की खूबी और इसे को लागू करने के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान आरजीपीवी द्वारा दी गई जानकारी की जब भास्कर ने पड़ताल की तो कुछ और सच सामने आया।

एनआईटीटीटीआर- डायरेक्टर प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा- टीचर्स को ट्रेंड करने 12 प्रोग्राम बनाए

मैनिट... प्रो. शुक्ल ने बताया- हिंदी

प्रो. सुनील कुमार... मैं ऑर्डिनेंस की कॉपी उपलब्ध करा सकता हूं

सच क्या है, जानिए...

बीयू... कितना प्लेसमेंट हुआ, इसका डेटा नहीं

दैनिक भास्कर की 2 इंस्टीट्यूट्स के साथ रिसर्च... भोपाल में 66% हिस्सा प्रकृति को समर्पित, वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, वन विहार, बड़ा तालाब... एक साथ सिर्फ हमारे पास

हमें प्रकृति का आशीर्वाद...

आयुष्मान भोपाल

सुकून और सेहत के हिसाब से सबसे अच्छा शहर, यहां अन्य बड़े शहरों के मुकाबले 3.5 साल लंबी उम्र की 'गारंटी'

जंगल • यहां शहर में बाघ, इसलिए आया अर्बन टाइगर प्रोजेक्ट

शहर में नेशनल पार्क और 14 सिटी फॉरेस्ट, यहां मानक से डेढ़ गुना अधिक हरियाली है

जल • प्यास और पर्यटन दोनों की लाइफलाइन हैं तालाब

14 बड़ी वाटर बॉडीज... किसी शहर में इतनी नहीं, पानी ऐसा कि यहां 103 तरह के दुर्लभ पौधे

बायो डायवर्सिटी • बारहसिंगा जैसे शेड्यूल-1 के वन्यप्राणी

22 अर्बन टाइगर वाला दुनिया का अकेला शहर

हवा • 4 साल में 18% साफ हुई, जयपुर-अहमदाबाद से अच्छी

यहां चंडीगढ़-दिल्ली से 3.5 साल ज्यादा उम्र